और दूसरे दर्जे में एकल यात्रा टिकट किराये में 75 प्रतिशत तथा पहले और दूसरे दर्जे के सीजन टिकट किराये में 50 प्रतिशत की रियायत अनुमेय है। मार्ग रक्षी भी इस रियायत का पात्र है।

(ग) नेत्रहीन व्यक्तियों को हाल ही में और कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं दी गयी है।

(घ) वर्तमान अनुदेशों में इस आशय का प्रावधान है कि नेत्रहीन व्यक्तियों के नियोजन के लिए ग्रुप "सी" और ग्रुप "डी" के पदों की रिक्तियों में एक प्रतिशत रिक्ति उनके लिए रखी जाय।

दिल्ली के अस्पतालों में अपमिश्रित संज्ञाहारी गैस तथा दवाओं का प्रयोग

1. **श्री मोर्जाईर्शादबेग :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली के उन अस्पतालों का ब्यौरा क्या है जहां अपमिश्रित संज्ञाहारी गैस तथा दवाओं का प्रयोग किए जाने के मामलों की सरकार को हाल में सूचना मिली है;

(ख) उक्त गैस की पूर्तिकर्ता का ब्यौरा क्या है और क्या उसके परिणाम-स्वरूप किसी व्यक्ति की मृत्यु हुई है; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या विशेष कदम उठाए गए हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : (क) सरकार को दिल्ली में किसी भी सरकारी अस्पताल में ऐसे मामले की जानकारी नहीं है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

राजभाषा तथा क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरी और मेडिकल की पाठ्य पुस्तकों का तैयार किया जाना

2. **श्री मोर्जा ईर्शादबेग :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजभाषा तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरी और मेडिकल की पाठ्य-पुस्तकें तैयार करवाने के लिए क्या उपाय किये गये हैं और कब; और

(ख) उक्त पाठ्य पुस्तकें राजभाषा में कब से उपलब्ध होने लगेंगी?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) और (ख) देसी लेखन कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार 1970 से भारतीय लेखकों द्वारा रचित विश्व-विद्यालय स्तर की पुस्तकों के प्रकाशन के लिए सहायता प्रदान करने की एक योजना चला रही है ताकि छात्रों को उचित मूल्यों पर पुस्तकें उपलब्ध कराई जा सकें। इस योजना का कार्य क्षेत्र जो कि आरंभ में केवल अंग्रेजी भाषा में विश्वविद्यालय स्तर की पाठ्य पुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों तक ही सीमित था, इस योजना का अब विश्वविद्यालय स्तर की पाठ्य पुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों के हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशन के साथ-साथ पालिटेक्निक स्तर की पाठ्य पुस्तकों के हिंदी अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं में प्रकाशन सम्बंधी सहायता हेतु विस्तार कर दिया गया है। सरकार 1968-69 से एक दूसरी ऐसी योजना चला रही है जिसमें भारतीय भाषाओं में विश्वविद्यालय स्तर की पुस्तकों को तैयार करने के लिए इस योजना में भाग लेने वाले 15 राज्य सरकारों में से प्रत्येक को केन्द्रीय सहायता प्रदान की जायेगी।

2. इस योजना के अन्तर्गत भारतीय भाषाओं में तैयार की जाने वाली पुस्तकों की संख्या काफी धीमी रही क्योंकि